सुमोना अव्वल, स्पृहा को दूसरा स्थान

जमशेदपुर | संवाददाता

टेल्को स्थित हिलटॉप स्कूल की ओर से आयोजित पिक ब्रेन के तहत नेतृत्व क्षमता की चुनौती कार्यक्रम में हिलटॉप स्कूल की सुमोना कुंडू ने पहला स्थान तथा राजेंद्र विद्यालय की नेशनल टॉपर स्पृहा विश्वास ने दूसरा स्थान हासिल किया है। सुमोना को साढ़े सात हजार रुपए तथा स्पृहा को पांच हजार रुपए के चेक और ट्राफी देकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम चार राउंड में हुआ। इसमें वाक द टॉक, आयडियल पर्सन, पिक्चर्स पर व्यू देने सहित अतिथियों द्वारा किए गए सवाल का जवाब प्रतिभागियों को देना पड़ा। जोरदार बहस तब हुई जब आयडियल लीडरशीप की बात उठी। कोई बराक ओबामा को शक्तिशाली और कुशल नेतृत्वकर्ता बताने लगा तो कोई पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को। किसी ने ओबामा को दुनिया पर शासन करने वाला बताया तो किसी ने एपीजे कलाम को शोध की दुनिया में ख्याति प्राप्त करने वाला। तस्वीर को देखकर विचार व्यक्त करने में स्पृहा ने हथकड़ी लगे हुए हाथ की खुली हथेली से बटरफ्लाई के उड़ने का संजीदा वर्णन किया। वहीं, छोटे टॉब से बड़े टॉब में छलांग लगाने वाली मछली की तस्वीर को देख सुमोना ने इसकी तुलना देश की मौजूदा स्थिति से की। अतिथियों में कोल्हान विवि की प्रति कुलपति लक्ष्मीश्री बनर्जी, एक्सएलआरआइ के फैकल्टी डॉ. जीतू सिंह, शिक्षाविद् अमित चटर्जी सहित अन्य ने प्रतिभागियों से सवाल किए।

17 स्कूलों में से आठ स्कूल फाइनल में पहुंचे, जिनमें हिलटॉप स्कूल की सुमोना कुंडू, राजेंद्र विद्यालय की स्पृहा विश्वास, लोयोला स्कूल के हर्ष वैभव, केरला समाजम की मधुरिमा, सेक्रेड हर्ट की आर संजना, कारमेल जूनियर कालेज के शुभम तेजस्वी, डीबीएमएस की श्रेया अग्रवाल और गुलमोहर स्कूल की वैशाली आनंद शामिल थीं।

एक्सएलआरआइ में हिल टॉप स्कूल की ओर से आयोजित लीडरशिप चैलेंज कार्यक्रम की विजेता मेजबान स्कूल की सुमोना कुंडू एवं उपविजेता राजेंद्र विद्यालय की स्पृहा विश्वास ट्रॉफी के साथ। • हिन्दुस्तान

पिक ब्रेन

- टाटा ऑडिटोरियम में हुआ लीडरशिप चैलेंजर कार्यक्रम
- 2012 में सबको समान अधिकार पर हुई तीखी बहस
- किसी ने एपीजे कलाम को आइकॉन माना तो किसी ने बराक ओबामा को

टाटा का नाम नहीं लेने पर जताई आपत्ति

जमशेदपुर। लीडरशिप चैलेंज में टाटा के शहर में रतन टाटा का नाम नहीं लेने पर एक व्यक्ति ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जहां लीडरशिप चैलेंज का सवाल आता है और बेहतर नेतृत्व की बात आती है वहां रतन टाटा का नाम जेहन में न आना दुखद है। हालांकि हाजिर जवाब छात्रों ने तपाक से कहा कि बेहतर नेतृत्व वाले रतन टाटा अच्छे नेता के रूप में मशहूर हैं। वे उद्योग जगत में बेहतर क्षमता वाले नेता हैं।